

कब से खड़ा मैं तेरे द्वार

सतगुरु नवल ब्रह्म हो पूरण विश्वाबिश
भवदास पर कृपा करो मोक्ष करो बगशिश

अवगुण गारा की विनती तुम सुनो गरीब नवाज़
मैं तो पूत कपूत हूँ , आप पिता को लाज
कब से खड़ा मैं तेरे द्वार ,गुरु जी आस लगाए

भव सागर में नैया है मेरी , पार हॉवे जब दया हो तेरी
हाथ पकड़ के उबार ,गुरु जी आस लगाए

तेरे द्वारे जो भी आवे , तूने उसकी बिगड़ी बनायी
सुनील मेरी भी पुकार , गुरुजी आस लगाए

तेरे दर का मैं हूँ भिखारी , भर दो अब तो झोली हमारी
अवगुण अनंत अपार , गुरुजी आस लगाए

नवल साहेब से विनती है मेरी भवदास हैं चरणों में तेरी
रखो लाज सरताज , गुरुजी आस लगाए

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18782/title/kab-se-khda-main-tere-dwar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |